

अगहन का महीना जिसमें प्रायः सूर्योदय के समय वृश्चिक राशि का उदय होता है 5. मदन वृक्ष।

वृश्चिकाली स्त्री. (तत्.) बिच्छू नाम की लता जिसके काँटेदार रोएं शरीर पर लगने पर बहुत तेज जलन होती है।

वृश्चिकेश पुं. (तत्.) वृश्चिक राशि का स्वामी, मंगल ग्रह।

वृष पुं. (तत्.) 1. बिजार, साँड़, वृषभ 2. कामशास्त्र के अनुसार चार प्रकार के पुरुषों में से एक 3. ज्यो. बारह राशियों में से दूसरी राशि 4. शिव का नंदी 5. एक औषधि 6. चूहा

वृषकेतन पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

वृषकेतु पुं. (तत्.) शिव, महादेव, वृषभ ध्वज।

वृषक्रतु पुं. (तत्.) वर्षा करने वाला अर्थात् इंद्र।

वृषण पुं. (तत्.) 1. शुक्राणु उत्पन्न करने वाली जनन-ग्रंथि, अंड कोश 2. इंद्र 3. कर्ण 4. विष्णु 5. साँड़ या बैल 6. घोड़ा

वृषणर्ति स्त्री. (तत्.) अंडकोश का रोग; अंडकोश की पीड़ा।

वृषध्वज पुं. (तत्.) 1. शिव, महादेव 2. गणेश 3. पुराणों में एक पर्वत का नाम।

वृषभ पुं. (तत्.) 1. बैल, साँड़, वृषभ राशि 2. काव्य. साहित्य में वैदर्भी रीति का एक भेद 3. कामशास्त्र के अनुसार चार प्रकार के पुरुषों में श्रेष्ठ पुरुष 4. किसी श्रेणी या जाति का मुखिया 5. एक प्रकार की औषधि 6. हाथी का कान 7. कान का छेद।

वृषभकेतु पुं. (तत्.) शिव का एक नाम, वृषभध्वज।

वृषभांक पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

वृषभानु पुं. (तत्.) राधिका जी के पिता।

वृषभानुजा स्त्री. (तत्.) वृषभानु की पुत्री, राधा उदा. 'को घटि मे वृषभानुजा, वे हलधर के वीर'। (बिहारी)

वृषभी स्त्री. (तत्.) 1. विधवा 2. गौ।

वृषल पुं. (तत्.) 1. शूद्र 2. अधर्मी, पतित व्यक्ति 3. बदचलनी के कारण जातिच्युत किया हुआ ब्राह्मण या क्षत्रिय 4. सम्राट चंद्रगुप्त का एक नाम।

वृषली स्त्री. (तत्.) 1. स्मृतियों के अनुसार वह कुँआरी कन्या जो रजस्वला हो गई हो 2. रजस्वला स्त्री, ऋतुमती 3. बंध्या, बाँझ स्त्री 4. शूद्र जाति की स्त्री।

वृष-वाहन पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

वृषस्कंध वि. (तत्.) 1. ऊँचे कंधों वाला, बलिष्ठ।

वृषा-कपि पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. विष्णु 3. शिव 4. अग्नि 5. इंद्र।

वृषादित्य पुं. (तत्.) वैशाख मास की संक्रांति से आरंभ वृष राशि का सूर्य जब उसका ताप अपने प्रचंड रूप में होता है।

वृषायण पुं. (तत्.) 1. शिव 2. गौरैया पक्षी।

वृषा-सुर पुं. (तत्.) पुराणों के अनुसार वृकासुर नाम का दैत्य जिसने तप करके शिवजी से वर पाया था कि वह जिसके सर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा, बाद में वह पार्वती पर मोहित होकर शिव जी को ही जलाने चला, यह देखकर भगवान विष्णु ने युक्ति से उसका हाथ उसी के सर पर रखवाकर उसे भस्म करा डाला।

वृषी स्त्री. (तत्.) 1. वृषिन्, मयूर, मोर 2. संन्यासी या ब्रह्मचारी का आसन।

वृषोत्सर्ग पुं. (तत्.) पुराणों के अनुसार एक प्रकार का धार्मिक कृत्य जिसमें लोग अपने मृत पिता आदि के नाम पर साँड़ पर चक्र दाग कर शिव के निमित्त उसे छोड़ देते हैं इस प्रकार के साँड़ों से कोई काम नहीं लिया जाता।

वृष्टि वि. (तत्.) बरसा हुआ, बारिश या बरसा के रूप में आकाश से गिरा हुआ।

वृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. आकाश से जल की वर्षा होने की अवस्था 2. ऊपर से बहुत-सी चीजों का एक साथ गिरना या गिराया जाना जैसे- पुष्प वृष्टि